सफलता वर्ष

इस सप्ताह के लिये पाँच सूत्रीय कार्यक्रम

25.05.08

1.**स्वमान** - मैं मास्टर ब्रह्मा हूँ।

- रचना में रचता के गुण अवश्य होते हैं....ब्रह्मा माँ ने हमें रचा है, तो उनके गुण, उनकी विशेषताएँ हममें भी होंगे ही....उन दिव्य विशेषताओं को स्वयं में इमर्ज करें....विश्व के सामने बाबा तभी प्रत्यक्ष होंगे, जब हम सब साक्षात् बाप समान बन जायेंगे....।

2.**योगाभ्यास** -

अ. ब्रह्मा बाबा हमेशा शिव बाबा के साथ रहा करते थे.....हर पल उनसे बातें करते रहते थे....हर कार्य उनसे पूछकर ही किया करते थे....वैसे ही हमें भी हर पल बाबा के साथ रहना है.... जितना साथ रहेंगे, उतना समान बनेंगे....।

ब. सारे दिन में 10 बार वतन में जाकर सम्पूर्ण ब्रह्मा बाबा को देखना....और हर बार उनसे, उनके समान बनने का मंत्र लेना और उसका अभ्यास करना....।

स. ब्रह्मा बाबा अपने अंतिम वर्षों में एक बात का बहुत अभ्यास करते और कराते थे - ``**जाना है और आना है**।" हम भी इसका अभ्यास करें। आत्मा बनकर ऊपर परमधाम चलें और वहाँ से सतयुगी सृष्टि में आकर देवी/देवता बन जाये....।

3.**धारणा** – **न्यारा और प्यारा**

- ब्रह्मा बाबा अति न्यारे और प्यारे स्थिति के सिम्बल हैं। चारों ओर के न्यारेपन ने ही उन्हें विश्व का प्यारा बना दिया। हमें भी उनके समान कमलासनधारी बनना है।
- जितना देह और दुनिया से न्यारे रहेंगे, उतना बाप के साथीपन का अनुभव होगा और जितना बाप के साथ रहेंगे, उतना उनके समान बनेंगे।

4.**चिंतन** - ``**कैसे थे ब्रह्मा बाबा**" - इस पर चिंतन करके रोज एक पेज लिखें।

5. **साधकों प्रति** - प्रिय साधकों ! जैसे साकार ब्रह्मा बाबा से सबने उनके जीवन के आदि से अंत तक दर्शनीयमूर्त अनुभव किया, वैसे ही आपके संबंध-संपर्क में आने वाली हर आत्मा महसूस करे कि ये न्यारे, अलौकिक व दर्शनीय हैं। आपका हर बोल, कर्म, चलन व चेहरा स्वतः ही सिद्ध करे कि इन्हें ऐसा बनाने वाला कौन? आपका प्रैक्टिकल जीवन ही बाप को प्रत्यक्ष करेगा।

-: ओम शांति :-